hanumanpdf.com

Hanuman Chalisa Lyrics in Hindi PDF Without Mistake – 5000 साल पुरानी

PDF Name	Hanuman Chalisa Lyrics in Hindi PDF Without Mistakes
Number of pages	
PDF Category	Religion & Spirituality
PDF Language	Hindi
PDF Updated	Today
PDF Size	500 Kb
Download Link	Available

Download at:
hanumanpdf.com

॥ दोहा॥

श्री गुरु चरण सरोज रज निज मन मुकुर सुधारी।
बरनउ रघुबर बिमल जसु जो दायकु फल चारि॥

बुद्धिहीन तनु जानिके सुमिरौ पवन कुमार। बल
बुद्धि विद्या देहु मोंहि हरहु कलेश विकार॥

॥ ॥ चौपाइयां॥॥

जय हनुमान ज्ञान गुण सागर। जय कपीस तिहु लोक उजागर।।

राम दूत अतुलित बल धामा। अंजनी पुत्र पवन सुत नामा।।

महाबीर विक्रम बजरंगी। कुमति निवार सुमती के संगी।।

कंचन बरन बिराज सुवेसा। कानन कुण्डल कुंचित केसा।।

हाथ वज्र और ध्वजा विराजे। कांधे मूँज जनेउ साजे।।

शंकर स्वयं केसरी नंदन। तेज़ प्रताप महा जगवंदन।।

विद्यावान गुणी अति चातुर। राम काज करिवे को आतुर।।

प्रभु चरित्र सुनिवे को रसिआ। राम लखन सीता मन बसिया।।

सूक्ष्म रूप धरि सियहिं दिखावा। विकट रूप धरि लंक जरावा।।

भीम रूप धरि असुर सँहारे। रामचंद्र के काज सँवारे।।

लाय संजीवन लखन जियाए। श्री रघुबीर हरषि उर लाये।।

रघुपति किन्ही बहुत बड़ाई। तुम मम प्रिय भरतहि सम भाई।।

हस बदन तुमरो जस गावे। अस कहि श्रीपति कंठ लगावे।।

सनकादिक भ्रह्मादि मुनीसा। नारद सरद सहित अहिसा।।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

तुम उपकार सुग्रीवहिं कीन्हा। राम मिलाए राज पद दीन्हा।।

तुमरो मंत्र विभीषण माना। लंकेश्वर भय सब जग जाना।।

जुग सहस्त्र योजन पर भानु। लील्यो ताहि मधुर फल जानू।।

प्रभु मुद्रिका मेलि मुख माहीं। जलधि लाँधि गए अचरज नाहीं।।

दुर्गम काज जगत के जेते। सुगम अनुग्रह तुम्हरे तेते।।

Download at:
hanumanpdf.com

॥ ॥ चौपाइयां॥॥

राम दुआरे तुम रखवारे। होत ना आज्ञा बिनु पैसारे।।

सब सुख लय तुम्हारी सरना। तुम रक्षक काहु को डरना।।

आपन तेज़ सम्हारो आपै। तीनो लोक हाँक ते काँपे।।

भूत पिसाच निकट न आवे। महावीर जब नाम सुनावे।।

नासे रोग हरे सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बीरा।।

संकट तै हनुमान छुड़ावै। मन क्रम वचन ध्यान जो लावै।।

सब पर राम राय सिर ताजा। तिनके काज सकल तुम साजा।।

और मनोरथ जो कोई लावै। सोई अमित जीवन फल पावै।।

चारो जुग परताप तुम्हारा। है प्रसिद्ध जगत उजियारा।।

साधु संत के तुम रखवारे। असुर निकंदन राम दुलारे।।

अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।

राम रसायन तुमरे पासा। सादर हो रघुपति के दासा।।

तुमरे भजन राम को पावै। जनम जनम के दुःख बिसरावै।।

अंत काल रघुवर पुरजाइ। जहां जन्म हरी भक्त कहाई।।

और देवता चित न धरई। हनुमत सेई सर्व सुख करई।।

संकट कटै मिटै सब पीरा। जो सुमिरै हनुमत बलबीरा।।

जै जै जै हनुमान गोसाईं। कृपा करो गुरुदेव की नाहीं।।

यह सत बार पाठ कर जोई। छूटहि बंदी महा सुख होइ।।

जो यह पढे हनुमान चालीसा। होय सिद्धि साखी गौरीसा।।

तुलसीदास सदा हरी चेरा। कीजे नाथ हृदय महा डेरा।।

॥ दोहा॥

पवन तनय संकट हरन मंगल मूर्ति रूप।
राम लखन सीता सहित हृदय बसहु सुरभूप।।

Download at:
hanumanpdf.com